मेरा गाँव मेरा गौरव के अंतर्गत कार्यक्रम

निदेशक, भाकृअनुप-निरजेफ्ट ने विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्यक्रम समन्वयकों के परामर्श से संस्थान के आसपास के पांच जिलों अर्थात हावड़ा, हुगली, नदिया, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना के 25 गांवों की पहचान की है। संस्थान के संबंधी वैज्ञानिकों को सभी ग्रामीणों के समक्ष व्याख्यान देने/उनके साथ बैठकें करने/प्रदर्शन करने जैसे क्रियाकलापों के सुचारू संचलार्थ और गाँवों को गोद लेने के लिए सौंप दिया गया है। डॉ. संजय देबनाथ, वरिष्ठ वैज्ञानिक को इस कार्यक्रम का निष्पादन करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी दी गयी है।

गोद लिए गए गाँवों का अंतिम चयन होने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम निम्न प्रकार हैं:

- डॉ. एन. सी. पान, प्रधान वैज्ञानिक एवं सीबीपी प्रभागाध्यक्ष, डॉ. संजय देबनाथ, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी, मेरा गाँव मेरा गौरव और डॉ. एस. सी. साहा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने 20-11-2015 को नदिया जिले के गोद लिए गए गाँव का दौरा किया और मेरा गाँव मेरा गौरव कार्यक्रम के भावी दृष्टिकोण और भाकृअनुप-निरजेफ्ट की विकसित प्रौद्योगिकियों के बास्ते 25 प्रगतिशील किसानों के साथ पारस्परिक वार्ता की।

- डॉ. ए. दास, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. एस. सी. साहा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. संजय देबनाथ, वरिष्ठ वैज्ञानिक और डॉ. डी. पी. रॉय वरिष्ठ वैज्ञानिक ने 28-12-2015 को 24 परगना (उत्तर) जिले के बाबपुर, बारासात में अपने कार्यक्रम के दौरान क्रमशः "जूट को शुष्क विधि से सड़ाने", "जूट रेशा का श्रेणीकरण", "विविध कार्यों में जूट का उपयोग" और जूट को रासायनिक विधि से सड़ाने" विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में आसपास के गाँवों से आए पचास प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

- डॉ. डॉ. एन. सी. पान, प्रधान वैज्ञानिक एवं सीबीपी प्रभागाध्यक्ष, डॉ. संजय देबनाथ, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी, मेरा गाँव मेरा गौरव और डॉ. एस. सी. साहा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने 18-01-2016 को नदिया जिले के गोद लिए गए गाँव का दौरा किया और 30 प्रगतिशील किसानों के साथ पारस्परिक वार्ता की। उन्होंने इस कार्यक्रम के दौरान "जूट डंठल पार्टीकिल बोर्ड", "भू-वस्त्रों के उपयोग तथा उनके लाभ" और "जूट श्रेणीकरण" विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए।

- डॉ .एल. के नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक और संजय देबनाथ ने 08 फरवरी, 2016 को हावड़ा के कृषि विज्ञान केंद्र का दौरा किया और हावड़ा जिले के जीन्घ्रा गाँव के 24 प्रगतिशील किसानों के समक्ष "केला रेशा का निष्कर्षण तथा उनसे मूल्य वर्धित उत्पाद" और मूल्य वर्धित बागबानी फसलों में कृषि वस्त्रों के उपयोग" विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए।

- डॉ .वी. बी. शंभू, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. संजय देबनाथ, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. डी. पी. रॉय, वरिष्ठ वैज्ञानिक और डॉ. के. के. सामंत, वैज्ञानिक ने 16 फरवरी, 2016 को 24 परगना (दक्षिण) जिले के तालपुर गाँव का दौरा किया और उन्होंने मेरा गाँव मेरा गौरव कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की साथ ही क्रमशः "जूट रेशा निकालने का उन्नत रिबनर", "जूट के विविध उत्पाद तथा उद्यमिता विकास", "कृषि में जैव कीटनाशकों का उपयोग" और वस्त्र प्रसंस्करण में केला के जीव-रस के उपयोग" विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में पांच विभिन्न महिला स्वयं सेवी समूह की चालीस (40) प्रगतिशील महिला किसानों ने भाग लिया।

अनुवाद: के. एल. अहिरवार